हमसफर

हमारी प्यार की इस सफर में,
मोहब्बत की महल बना दूँगा।
प्यार की इस बूँदें,
उठाती है आवाज़ रिमझिम की तरह।
कितना सुन्दर है प्यार की इस बारिश।
प्यार की छाँव में,
जिजीविषा मिलेगी इस दिल को।
किस्मत को भी तोड़ सकती है,
हम अपनी प्यार से।
मिठ्ठी से इन्द्रधनुष तक पहुँचाये,
हम अपनी प्यार से।
समस्याओं को सामना करना है,
हम अपनी प्यार से।
प्यार की इस खूबसूरत दास्ता
सफल बनेगा एक दिन।

प्यार की इस पुल से,
आगे चलना है हम बिना रुके।
बेकरार में आराम मिलेगी,
अपनी प्यार की वजह से।
प्यार की इस जग से,
आसमान छूना है हमें।
प्यार की इस सुभग झंकार से,
सुन्दर बनाना है अपनी जिंदगी।
अपनी सुन्दर जिंदगी में,
कठिनाइयों को पारकर जाना है हमें।
एक आजाद पक्षि जैसे,
उड़ना है हम इस नीले आसमान में।
हम अपनी इन्द्रीय शक्ति से,
प्यार की सातों सागर पारकर सकती है।
कितना पावन है प्यार की यह मोहक कहानी।
प्यार की ज्योति फैलाना है हमें;
अपनी ताकत से।

आजा मेरे प्यारे साँवरियाँ,
साथ मिलकर हम बनाएँगे,
अपनी मोहब्बत की महल।